ग्रामीण संग्रह केंद्र (Rural Collection Centers)

औषधीय पौधों की खेती कर और उनकी गुणवत्ता को सुनिश्चित कर उन्हें बाजारों में बेचने के लिए तैयार करने का कार्य ग्रामीण संग्रह केंद्र के द्वारा किया जाता है। ये केंद्र किसानों या उत्पादकों से उत्पादों को एकत्र करने और उन्हें बेचने के लिए तैयार करने का कार्य करते हैं। ऐसे केंद्रों का उद्देश्य किसानों को उचित मूल्य दिलाने, उत्पादों का गुणवत्ता नियंत्रण सुनिश्चित करने, और उत्पादों को बाजार में प्रभावी तरीके से पहुँचाने में मदद करना है।ग्रामीण संग्रह केंद्र औषधीय पौधों के उत्पादन को बाजार से जोड़ता है तथा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है ग्रामीण संग्रह केंद्र को बनाने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

ग्रामीण संग्रह केंद्र को बनाने के लिए जरूरी संरचनाएं।

1. संग्रहण क्षेत्र जहां पौधों और उत्पादों का संग्रहण, पैकिंग और प्रसंस्करण किया जा सके।

2. संग्रहण सुविधाएं: तापमान और आर्द्रता नियंत्रित जगह, जैसे कि गोदाम या शेड, जिससे उत्पादों की ताजगी बनी रहे।

3. प्रसंस्करण उपकरण: उपकरण जो कृषि उत्पादों को साफ, पैक और गुणवत्ता नियंत्रित करने में मदद करें।

4. जल आपूर्ति , स्वच्छता और बिजली की आपूर्ति

भंडारण सुविधाएँ

पैकिंग और लेबलिंग क्षेत्र

परिवहन और लॉजिस्टिक क्षेत्र

वित्तीय सहायता: ग्रामीण संग्रह क्षेत्र को बनाने के लिए

- **सरकारी क्षेत्र को 20 लाख रुपए**
- **निजी क्षेत्र को 10 लाख रुपए दिए जाएंगे।**

क.स	प्रोजेक्ट का नाम	वित्तीय सहायता	कौन आवेदन कर सकता है
1	ग्रामीण संग्रह क्षेत्र	सरकारी क्षेत्र को 20 लाख रुपए दिए जाएंगे । निजी क्षेत्र को 10 लाख रुपए को दिए जाएंगे।	सरकारी तथा निजी (प्राइवेट) क्षेत्र दोनों **ग्रामीण संग्रह क्षेत्र** प्रोजेक्ट के लिए आवेदन कर सकते है ।